**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं.1571**

**दिनांक 4 मार्च, 2020**

**आंध्र प्रदेश में पेट्रोलियम विश्वविद्यालय**

**1571. श्री वाई॰एस॰ चौधरी**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि विशाखापट्टनम में अकादमिक सत्र 2016-2017 से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम एंड ऐनर्जी के रूप में पुनर्नामित पेट्रोलियम विश्वविद्यालय अस्थायी परिसर में चल रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा किए गए बजटीय प्रावधान और जारी की गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा जारी की गई राशि वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए पर्याप्त है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क)और (ख): आईआईपीई मुख्‍य भवन, आंध्र यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश – 530003 में आंध्र यूनिवर्सिटी द्वारा पट्टे पर उपलब्‍ध करवाए गए स्‍थल पर काम कर रहा है।

(ग): पिछले 3 वर्षों के दौरान, इस मंत्रालय द्वारा किए गए बजटीय प्रावधान और जारी की गई निधियों के ब्‍यौरे निम्‍नानुसार हैं :-

(करोड़ रुपए में)

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 |
| आबंटित बजट | वा‍स्‍तव में जारी | आबंटित बजट | वा‍स्‍तव में जारी | आबंटित बजट | वा‍स्‍तव में जारी |
| 1.00 | 1.00 | 24.00 | 24.00 | 22.28 | 22.28 |

(घ)और (ड.) : निधियां उचित प्रक्रिया के अनुसार आईआईपीई द्वारा बताई गई आवश्‍यकता और मांग के मुताबिक बजटीय प्रावधानों की शर्त पर जारी की जाती है।